पाठ–19

पुरानी इमारतें

BRFCU3

नूपुर– ''माँ! बड़े दिन की छुट्टियों में कहीं घूमने चलो न!''

माँ– ''कहाँ जाना चाहती हो नूपुर?''

नूपुर– ''माँ, हमने राजा–रानियों की कई कहानियाँ सुनी है? क्या हम उन्हें देख सकते हैं?''

माँ– ''नूपुर बेटा! राजा–रानी तो अब रहे नहीं। हाँ, उनके महल और किले अब भी हैं जो उनकी शानो–शौकत, सुख–दुख की गवाहियाँ देते हैं।''

नूपुर– ''माँ, चलो न! ऐसी ही एक जगह चलें।''

माँ– ''ठीक है बेटा, हमारे शहर से नजदीक ही मेदिनी नगर है। वहाँ से 20 किलोमीटर दूर बेतला के सुरम्य वन्य क्षेत्र में, औरंगा नदी के किनारे पलामू के महान् चेरों शासकों का किला है। हम वहीं चलेंगे।''

कुछ दिनों बाद नूपुर अपने माँ–पिताजी के साथ बेतला के जंगल से गुजर रही थी।

नूपुर– ''माँ, देखो! कितना सुन्दर और मनोरम दृश्य है। चारों तरफ कितनी हरियाली है।''

''हाँ बेटा! यह बेतला संरक्षित क्षेत्र है।'' माँ ने कहा।

नूपुर– ''माँ ! देखो तो लगता है हम आ गए। देखो, कितना बडा दरवाजा दिख रहा है।''

माँ– ''हाँ नूपुर! यह 'पलामू किला' है। 'पलामू किला' में वास्तव में दो किले हैं। मैदानी क्षेत्र में बना यह किला नया किला है और पहाड़ी पर बना किला पुराना किला है। नए किले का यह पहला दरवाजा जिसे नागपुरी दरवाजा भी कहते है।''

नूपुर– ''माँ, यह तो बहुत पुराना लगता है। इस पर कितनी झाड़–झंखाड़ उग आए हैं।

"JCERT Text Book for free distribution : 2021-2022"

पिता जी ने बताया– यह किला पलामू के महान चेरो शासकों द्वारा बनवाया गया था। इस किले के चार दरवाजे थे, नागपुरी दरवाजा 40 फीट ऊँचा और 15 फीट चौड़ा है। इस पर की गई बेल–बूटों की नक्काशियों को तुम देख सकती हो। आओ, अब अन्दर चलते हैं।''

नूपुर– ''पिताजी! ये खम्भे क्यों लगे हुए है?''

पिताजी– ''बेटा, ये पत्थर के खंभे हैं जिन पर अरबी, फारसी और संस्कृत में कुछ जानकारियाँ दी गई है।''

नूपुर– ''पिताजी, इस किले के बारे में और भी बताइए न!''

पिताजी– ''इस नए किले को राजा मेदिनी राय ने बनवाया था। परन्तु वे अपने जीवनकाल में उसे पूरा नहीं कर पाए थे।''

नूपुर– ''माँ, अब तो हम पुराने किले में आ गए हैं न! इसके बारे में बताओ। इसे किसने बनवाया था?''

"JCERT Text Book for free distribution : 2021-2022"

माँ– ''पुराना किला संभवतः राजा भगवंत राय ने बनवाया था। पलामू के प्रतापी राजा मेदिनी राय ने इस किले को सुदृढ़ किया था। यह आयताकार एवं 1.5 कि०मी० की परिधि में है। इसकी दीवारें मोटी है। दीवारों पर प्रहरी मीनार तथा परकोटे बने हुए हैं। तुम्हें सुनकर आश्चर्य होगा कि इन दीवारों पर अश्वारोही रक्षक घुड़दौड़ करते थे। पुराने किले में सभामंडप (कचहरी), मंदिर तथा निवास की कई कोठरियाँ है। देखो इसके भग्नावशेष अब भी हैं।''

नूपूर– ''माँ! यह प्रहरी मीनार क्यों बने हुए थे?''

माँ– ''यह सुरक्षा के लिए थे। यहाँ पहरेदार रहते थे। परकोटों के बीच ये छेद देख रही हो? ये प्रहरियों की चाँदमारी के लिए बनाए गए थे।''

नूपुर – ''माँ! देखो तो इन दीवारों पर कितनी मूर्तियाँ और चित्र हैं!''

माँ– ''हाँ नूपुर!, ये चित्र उस समय के कलाकारों की उच्च कोटि की प्रतिभा की गवाही देते हैं।''

नूपुर – ''पिताजी! यह किला तो पहाड़ी पर है। यहाँ के लोग पानी कहाँ से लाते थे?''

पिताजी– ''इस किले में एक कुआँ था जिसके अंदर जाने के लिए छतदार सुरंग थी।''

नूपुर – ''माँ, यह जगह खाली कैसे हो गई? यहाँ के लोग कहाँ चले गए?''

माँ– ''नूपुर, राजा मेदिनी राय और दाउद खाँ के बीच सन् 1660–61 में भीषण लड़ाई हुई थी। पुराने किले पर तोप तथा बन्दूक की गोलियों के अनेक निशान अब भी देखे जा सकते हैं। इस युद्ध में चेरो पराजित हो गए और उनकी पूरी सेना और किला तहस–नहस हो गया। आक्रमणकारियों से बचने के लिए सभी लोग इधर–उधर चले गए और धीरे–धीरे यह किला सुनसान हो गया। अब तो सिर्फ किले के अवशेष ही बचे हैं जो महान चेरो शासक राजा मेदिनीराय की वीरता और निर्माण कौशल की गवाही दे रहे हैं।''

"JCERT Text Book for free distribution : 2021-2022"

लिखो :–

- क्या तुम्हारे घर के आस–पास कोई ऐसी पुरानी इमारत है जहाँ लोग घूमने–फिरने आते हैं? अगर है तो उसके बारे में जानकारी एकत्रित करके लिखो।

.....

- अपने शिक्षकों या बड़ों से ऐसी कुछ और इमारतों के बारे में जानकारी एकत्रित करो।

परियोजना कार्य :–

- झारखंड राज्य का एक और मशहूर ऐतिहासिक किला है– नवरत्न का किला। इसके बारे में जानकारियाँ एकत्रित करो।
- अपने आप को राजा मेदिनी राय की जगह रखो और अभिनय करके बताओ कि अगर आज आप अपने किले को देखते तो क्या सोचते।

चर्चा करो :–

- दो देशों के बीच युद्ध क्यों होते हैं?
- युद्ध से क्या–क्या नुकसान होते हैं?

इन्हें भी जानें

मलूटी का मंदिर

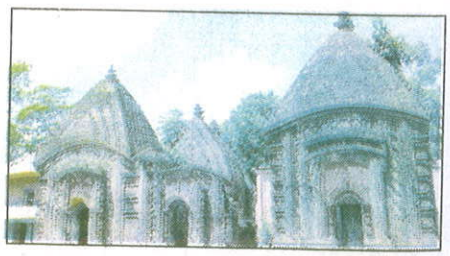

झारखण्ड के दुमका जिला में शिकारीपाड़ा के निकट मलूटी एक गाँव है। इस गाँव का नाम मलूटी बाकुड़ा के मल्ल राजाओं के नाम पर रखा गया है। यहाँ के मंदिर

"JCERT Text Book for free distribution : 2021-2022"

ईंट–पत्थरों से बने हैं। मलूटी को मंदिरों का गाँव कहा जाता है। इस गाँव में 108 मंदिर हैं। ये मंदिर काफी पुराने हो गए है। उनकी मरम्मत और संरक्षण की आवश्यकता है।

दिउड़ी मंदिर

यह मंदिर राँची जिले के तमाड़ प्रखण्ड से 3 कि०मी० की दूरी पर दिउड़ी ग्राम में है। यहाँ जो देवी की मूर्त्ति है वह 16 भुजाओं वाली है। देवी की मूर्त्ति के ऊपर शिव की मूर्त्ति है तथा इसके अगल–बगल सरस्वती, लक्ष्मी, कार्तिक और गणेश की मूर्त्ति है। यह बड़ा प्रख्यात मंदिर है।

हमने सीखा :–

- बेतला राष्ट्रीय उद्यान पलामू जिले में है।
- बेतला राष्ट्रीय उद्यान को (बेतला टाइगर रिजर्व) बाघ संरक्षित क्षेत्र भी कहते हैं।
- पलामू किला वास्तव में दो किले हैं जिन्हें संयुक्त रूप से पलामू किला कहा जाता है।
- पलामू में चेरो शासकों ने भी राज किया था।
- राजा मेदिनी राय महान निर्माता, कला के पोषक और बहादुर शासक थे।
- दाउद खाँ से पराजित होने के बाद चेरो शासकों का धीरे–धीरे पतन हो गया और यह किला उजड़ गया।

"NCERT Text Book for free distribution : 2021-2022"